Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 19-12-2006

Participants : Kumar Shri Shailendra

>

Title: Need to pay revision in Armed Forces.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल): उपाध्यक्ष जी, मैं इस सदन में अत्यन्त लोक महत्व के प्रश्न पर अपनी बात कहना चाहूंगा। निजी क्षेत्र के ऊंचे वेतन, जो निजी क्षेत्रों की कम्पनियों में लोगों को मिल रहा है, उससे सैनिकों का मनोबल बहुत घटा है। निजी क्षेत्रों की कम जोखिम वाली नौकरियों में ऊंची तनख्वाह मिलने से हमारे देश के जवानों का मनोबल बहुत गिरा है। उदारीकरण और भूमंडलीकरण के बाद नौकरियों में देखा गया है कि लोगों को तमाम अवसर मिल रहे हैं और उनकी तनख्वाह भी अच्छी है। लेकिन हमारे देश के जो सैनिक हैं, जो बोर्डर पर काम कर रहे हैं, वहां लड़ रहे हैं, उनको मूल वेतन मात्र 3200 रुपये मिलता है और भत्ते मिलाकर 6300 रुपये मिलता है। वे केवल 4500 रुपये अपने घर ले जा पा रहे हैं, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि कम से कम हमारे देश में सैनिकों को, जो सैनिक बोर्डर पर बड़ा जोखिम लेकर, अपने परिवार से दूर रहकर काम कर रहे हैं। उनको मूल वेतन पांच हजार रुपये और भत्ते मिलाकर दस हजार रुपये दिये जायें, ताकि वे 8-8.5 हजार रुपये अपने घर ले जायें, तभी जाकर उनका परिवार चल सकता है और हमारे देश की एकता और अखंडता अक्षुण्ण हो सकती है, यह मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा।